महत्वपूर्ण एवं खास

पद्म पुरस्कार के लिए नामांकन प्रस्ताव 15 सितम्बर तक आमंत्रित

रायगढ़। भारत सरकार द्वारा पद्म पुरस्कार श्रृंखला के तहत पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्म पुरस्कारों के लिए वर्ष 2024 हेतु नामांकन प्रस्ताव 15 सितम्बर 2023 तक ऑनलाईन https://padmaawarda.gov.in के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ ने सर्वविभाग कार्यालय प्रमुख एवं सभी एसडीएम को पुरस्कार के लिए निर्धारित पात्रता एवं मापदंड के अनुरूप स्पष्ट अनुशंसा सहित योग्य/पात्र व्यक्तियों के नामांकन प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा 20 अगस्त 2023 तक कलेक्टर कार्यालय को अनिवार्यत: उपलब्ध करायें ताकि छ.ग.शासन की ओर प्रेषित किया जा सके।

सारंगढ़, बरमकेला और बिलाईगढ़ में 15 जून तक होगा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले के सभी विकासखंडों में 17 मई से 15 जून 2023 तक सुबह 6 से 8 बजे और शाम 5 से 7 बजे तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। उक्त आयोजन में भाग लेने हेतु इच्छुक-नवोदित खिलाड़ी खेल अनुसार अपना पंजीयन करा सकते हैं। सारंगढ़ विकासखंड में क्रिकेट, फुटबॉल और सॉफ्टबॉल के लिए प्रभारी अमित सिंह मरकाम और कौशल ठेठवार से मो.नं. 8839197988 से संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार बरमकेला विकासखंड में फुटबॉल और कराते खेल के लिए प्रभारी दिनेश कुमार पटेल से मो.नं. 9752630900 से संपर्क कर सकते हैं। बिलाईगढ़ ब्लॉक में एथलेटिक्स और कबड्डी के लिए प्रभारी प्रहल्लाद कैवर्त से मो.नं. 7354474012 से संपर्क कर सकते हैं।

चोरी की मोटर पंप के साथ दो आरोपियों को लैलूंगा पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़। लैलूंगा पुलिस द्वारा आज ग्राम जतरा के उमेश यादव (उम्र 24 वर्ष) और तरूण वैष्णव (उम्र 25 वर्ष) को ग्राम सुबरा नदी किनारे खेत में सिंचाई के लिये लगे डेढ एचपी मोटर पंप की चोरी के अपराध में गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है। मोटर पंप चोरी की रिपोर्ट ग्राम सुबरा के लालाराम भोय द्वारा कल थाना लैलूंगा में दर्ज कराया गया है, रिपोर्टकर्ता ने बताया कि खारून नदी किनारे उनके स्वयं के खेत में धान फसल लगाया है जिसमें टूल्लू पम्प से नदी का पानी से सिचाई कर खेती किया जा रहा था कि दिनांक 26/03/2023 को खेत के पास से साबर कम्पनी का डेढ एचपी विद्युत पम्प (कीमती 11,500/- रूपये) को रात्रि में कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था जिसका अपने स्तर पर पता तलाश कर रहा था। आज ग्राम जतरा के उमेश यादव एवं तरूण वैष्णव को चोरी के टूल्लू पम्प को पकड़कर घुमते देखा गया जिसके बाद थाना लैलूंगा में आवेदन देकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराया रिपोर्ट पर लैलूंगा पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर चोरी की पंप की बरामदगी कर आरोपियों को रिमांड पर भेजा गया है।

मवेशियों से भरी ट्रक पलटी,12 मवेशियों की मौत

जशपुर (आरएनएस)। जिले के पत्थलगांव में मवेशियों से भरा ट्रक पलटने से ट्रक में भरे 12 मवेशियों की मौत हो गई और 12 चोट पहुंची है जिन्हे तत्काल चिकित्सा सुविधा देकर गौठान में रखा गया है। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन छोडक़र फरार हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार तडक़े पत्थलगांव तहसील कार्यालय के पास मवेशियों से भरा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया। हादसे में बाद ट्रक चालक गाड़ी छोडक़र वहां से फरार हो गया। इसी दौरान पत्थलगांव पुलिस की गश्त टीम भी वहां पहुंची। पुलिस ने तत्काल पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाकर घायल मवेशियों का इलाज कराया। एवं हादसे में बच गये मवेशियों को नजदीक के गौठान में रखा गया है।

ग्रामीणों के साथ नए उद्यमियों को अवसर दे रही रीपा योजना उद्यमियों को विक्रय पश्चात 12 लाख का हुआ शुद्ध मुनाफा

- कलेक्टर सिन्हा के निर्देशन में 7 विकासखण्डों के 14 गौठानों में रीपा का हो रहा संचालन
- तरडा की महिलाएं बुन रही संबलपुरी साड़ी, वहीं सूपा में बन रहा गोबर पेंट

रायगढ़। ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं लघु उद्योग स्थापित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) योजना प्रारंभ किया गया है। योजना के माध्यम से जहां नये उद्यमियों को उद्योग प्रारंभ करने के अवसर मिल रहे है, वहीं पारंपरिक व्यवसायिक गतिविधियों को रीपा के साथ जोड़कर संरक्षित करने के साथ ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने का काम भी कार्य किया जा रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर वृहत गतिविधियां संचालित होने से लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार भी प्राप्त हो रहे है। वहीं पारंपरिक गतिविधियों के संचालन से ग्रामीणों के आय संवर्धन में भी महती भूमिका निभा रही है।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देशन में जिले के 7 विकासखण्डों में 14 ग्रामीण औद्योगिक पार्क की स्थापना की गई है। जहां सुव्यवस्थित अधोसंरचना विकास हेतु सड़क, पानी, बिजली, शेड, शौचालय जैसे सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की गई है। प्रत्येक रीपा में औद्योगिक पार्क के व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु मैनेजर की नियुक्ति की गई है। साथ ही प्रत्येक रीपा में आयमूलक 5 से 6 गतिविधियां प्रस्तावित है। जिसमें महिला एवं पुरूष मिलाकर कुल 187 हितग्राही शामिल है। जिनमें कुल हितग्राहियों में व्यक्तिगत हितग्राहियों के अलावा स्व-सहायता समूह की महिलाएं भी गतिविधियां संचालित कर रही है। वर्तमान में जिले के 14 ग्रामीण औद्योगिक पार्क में कुल 41 लाख 14 हजार रुपये का उत्पादन किया गया है। जिसमें 36 लाख 12 हजार रुपये का विक्रय किया जा चुका है तथा लगभग 5 लाख 2 हजार रूपये की उत्पादित सामग्री विक्रय हेतु शेष है। विक्रय के पश्चात 12 लाख 6 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है।

इन स्थानों में रीपा हो रहे संचालित- जिले के 7 विकासखण्ड अंतर्गत खरसिया में भूपदेवपुर एवं बोतल्दा, घरघोड़ा में बैहामुड़ा व ढोरम, तमनार में तमनार व मिलूपारा, धरमजयगढ़ में दुर्गापुर व बरतापाली, पुसौर में सूपा व तरडा, रायगढ़ में पण्डरीपानी पं. व डोंगीतराई तथा लैलूंगा में कोड़ासिया व मुकडेगा में ग्रामीण औद्योगिक पार्क संचालित की जा रही है।

तरडा में महिलाएं बुन रही संबलपुरी साड़ी- रीपा योजना के माध्यम से उद्यमियों को बेहतर अवसर मिल रहा है। यही कारण है कि यहां निजी उद्यमियों के साथ ही समूह की महिलाएं भी बेहतर कार्य कर रही है। जिसका उदाहरण तरडा गौठान में महिलाएं संबलपुरी साड़ी बना रही है। जिसकी मांग स्थानीय बाजार के साथ ही पड़ोसी राज्य उड़ीसा में भी है। लिहाजा समूह की महिलाएं स्थानीय मांग की पूर्ति करते हुए अन्य राज्यों में भी बिक्री के लिए साड़ी तैयार कर रही है। वहीं सूपा गौठान में गोबर से पेंट बनाकर अच्छी आय अर्जित की जा रही है साथ ही वहां स्थानीय ग्रामीण द्वारा फेब्रिकेशन का कार्य किया जा रहा है।

रीपा में विभिन्न उद्यम हो रहे संचालित- रीपा योजनान्तर्गत मूर्ति निर्माण, सीमेंट गमला निर्माण, मुर्रा मिल का क्रियान्वयन, मशरुम उत्पादन, फ्लाई ऐस ब्रिक्स, फेब्रिकेशन, पोल्ट्री फार्म जैसे अनेकों उद्यम संचालित हो रहे है, वहीं कृषि एवं उद्यानिकी के गतिविधियां भी संचालित किए जा रहे है। एफपीओ के माध्यम से किसानों को लाभ दिलाया जायेगा। जिससे की एफपीओ अपना भण्डारण, प्रसंस्करण, पैकिंग तथा ब्रांडिंग कर जैविक उत्पाद को अच्छे तरीके से बाजार में बेच सके। रीपा से महिला एवं पुरुष दोनों को लाभ दिए जाने की मंशा से कार्य को किया जा रहा है। रीपा उद्यमियों को केवीके/आरसेटी प्राइवेट कंपनियों से प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। जिससे की वो पूर्ण दक्षता के साथ अपने कार्य को कर पाए एवं अच्छी आय सुनिश्चित हो।

रीपा योजना से मिलेंगे रोजगार के अवसर- शासन की महत्वाकांक्षी योजना रीपा के तहत इच्छुक बड़े किसान, छोटे उद्यमी, एसएचजी की महिलायें एवं पुरुष सभी को शासन की तरफ से आवश्कतानुसार अनुसार वर्किंग शेड, बिजली व्यवस्था, पानी, पार्किंग इत्यादि की सुविधाएं प्रदाय की जा रही है, जिससे की वो अपना उद्यम आसानी से लगा सकें। जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित होंगे एवं ग्रामीण, बेरोजगार युवक-युवतियों को काम मिल सकेगा।

आश्रम/छात्रावास में चिकित्सकीय कार्य हेतु निजी प्रेक्टिशनरों से 31 मई तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। रायगढ़ जिले में संचालित छात्रावास/आश्रमों में वर्ष 2023-24 हेतु प्रवेशित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए स्वस्थ तन-स्वस्थ मन (स्वास्थ्य सुरक्षा) योजना अंतर्गत रायगढ़ जिले के निजी प्रेक्टिशनरों जिनकी योग्यता एमबीबीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस डिग्रीधारी चिकित्सकों से एक या एक से अधिक संस्थाओं (छात्रावास/आश्रम)के लिए 31 मई 2023 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है।

इच्छुक निजी चिकित्सक अपने लेटर पेड में आवेदन पत्र के साथ शासकीय/मान्यता प्राप्त मेडिकल कालेज/संस्था से उत्तीर्ण चिकित्सक डिग्री एवं चिकित्सकीय कार्य का सक्षम अधिकारी द्वारा जारी अनुभव प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र, स्थायी/अस्थायी मोबाइल नंबर, वर्तमान पता तथा भारतीय स्टेट बैंक के खाता के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति के साथ कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास रायगढ़ में निर्धारित तिथि तक कार्यालयीन समय में पंजीकृत डाक से भेज सकते है। आवेदन पत्र सीधे कार्यालय में नहीं लिया जाएगा। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्र मान्य नहीं किये जायेंगे। नियमों एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय, रायगढ़ में कर सकते है।

बरमकेला के समर गेम समापन कार्यक्रम में शामिल हुई कलेक्टर डॉ सिद्दीकी

- कलेक्टर ने मेरिट में आने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी मुख्य अतिथि के रूप में बरमकेला के स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित ब्लॉक स्तरीय समर गेम समापन कार्यक्रम में शामिल हुई। कलेक्टर डॉ.सिद्दीकी ने कक्षावार बच्चों के गतिविधियों-रंगोली प्रतियोगिता, भाषण, गीत, पेंटिंग, डांसिंग, संगीत, एवं भेलपुरी, भौंरा-बाटी, कैरम बोर्ड, मेहंदी एवं लेखन आदि का अवलोकन किया। कलेक्टर ने इंग्लिश में बच्चों से वार्तालाप किया। मेहंदी से बहुत प्रभावित होकर कलेक्टर डॉ. सिद्दीकी ने अपने हाथों मे बच्चों से मेहंदी लगवायी। नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ कलेक्टर ने मोबाइल में सेल्फी फोटो लेकर उनका उत्साहवर्धन किया। आंख से दिव्यांग बच्ची के साथ कलेक्टर ने बातचीत की और उनका आत्मविश्वास को मजबूत करने प्रोत्साहित की।

कलेक्टर फरिहा आलम ने बच्चों से समर गेम के बारे में अनुभव को सुनीं। डॉ. सिद्दीकी ने कहा कि समर गेम के माध्यम से कई गतिविधियों में भाग लेकर छात्र-छात्राओं द्वारा ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग किया जा रहा है। बच्चों की झिझक दूर के साथ उनमें सहयोग, सद्भावना तथा क्रियाशीलता की भावना उत्पन्न होती है। समर कैंप के सफल आयोजन के लिए शिक्षक व छात्रों को बधाई देते हुए उनसे और अच्छा नवाचार अपनाने को कहा। उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूल के शिक्षा के बारे मे बच्चों की तारीफ की और मेरिट लिस्ट के छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने कहा की किसी भी बच्चे का सर्वांगीण विकास तभी हो पाता है जब वह पढ़ाई के अलावा दूसरी गतिविधियों में भी शामिल होता है। इस दौरान एक बच्ची ने रानी लक्ष्मीबाई की कविता सुनाई। बच्चों को मोटिवेशन करते हुए डॉ सिद्दीकी ने कहा कि आप जो सोचोगे जिस चीज में अपना दिमाग लगाओगे। इस उम्र में आप हो, कुछ भी कर गुजरने की ताकत रखते हैं। जो चाहोगे वह पाओगे, मेहनत करो। यहां हर बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, साइंटिस्ट बन सकता है। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूली बच्चों के लिए समर गेम का आयोजन किया गया था। गर्मी की छुट्टी में बच्चों द्वारा समर कैम्प को लेकर खासी दिलचस्पी देखी जाती है। समर कैंप में पढ़ाई-लिखाई के अलावा बच्चे अलग-अलग तरह की गतिविधियों में भाग लेते हैं तो कई नये स्किल सीखने का मौका भी मिलता है। इसी को ध्यान में रखते हुए बरमकेला के कई स्कूलों मे बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, एसडीएम मोनिका वर्मा, शिक्षा समिति के अध्यक्ष, बीईओ, प्राचार्य एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

दंपत्ति ने अपने सगे बेटे की हत्या कर दिया रोड़ एक्सीडेंट का स्वरूप, दोनों आरोपी गिरफ्तार

- मां से झगड़ा विवाद करता देख बेटे को पिता ने डंडे से मारा, लैलूंगा के ग्राम लोहड़ापानी की घटना

रायगढ़। पिछले माह 6 अप्रैल को थाना लैलूंगा अंतर्गत लोहडापानी लकरा टोकरी रोड के पास एक युवक का शव कच्ची सड़क किनारे पड़ा मिला था। मृतक की शिनाख्त टेकमणी पैंकरा पिता कुहरू सिंगार उम्र 18 साल निवासी लोहडापानी गोठानडांड थाना लैलूंगा के रूप में हुआ था। घटना को लेकर मृतक के मामा अशोक कुमार पैंकरा ने मर्ग इंटिमेशन दर्ज कर बताया कि टेकमणी पैकरा (मृतक) कोतबा हॉस्टल में रहकर कक्षा ग्यारहवीं में पढ़ाई करता था। 05 अप्रैल को हॉस्टल से घर आया था और शाम 04-05 बजे करीब घर की मोटरसाइकिल लेकर घूमने निकला था। दूसरे दिन सुबह टेकमणी पैकरा की मां उसे खोजने निकली तो टेकमणी का शव माड़ो गुफा रास्ता मोड़ के पास सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला उसके सिर और शरीर में चोट लगी हुई थी, रिपोर्टकर्ता द्वारा मृतक के परिजनों के बताये अनुसार टेकमणी की मृत्यु मोटरसाइकिल से स्वयं गिरकर एक्सीडेंट होना बताया गया। घटना को लेकर मृतक के माता-पिता द्वारा भी टेकमणी की मृत्यु रोड एक्सीडेंट से होना बताए। घटना को लेकर थाना लैलूंगा में मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव एवं घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। मृतक के शरीर में आयी चोट, मौके पर पड़ी बाइक और शव की स्थिति संदेहास्पद प्रतीत हुआ, लैलूंगा पुलिस द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र पीएम रिपोर्ट प्राप्त किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर पीएमकर्ता डॉक्टर द्वारा मृतक की मृत्यु "हत्यात्मक" बताते हुए बताते हुए गला दबाने, दम घुटने तथा सिर में प्राणघातक चोट के कारण अत्यधिक रक्त स्राव से मृतक की मृत्यु होना बताया गया।

शव मिलने का स्थान तथा मृतक के घर की दूरी ज्यादा नहीं थी, थाना प्रभारी लैलूंगा उपनिरीक्षक रमाशंकर तिवारी एवं हमराह स्टाफ के साथ जांच पड़ताल में मृतक के घर गए। जहां मृतक के घर के आंगन में गोबर से लिपा-पोती और कई जगह जमीन की हल्की खुदाई (छिलाई) दिखा। परछी, चौखट, कोलाबाड़ी से लेकर घर के पीछे आमरोड़ की ओर श्रृख्लाबद्ध रूप से खून जैसे दाग पड़े दिखे। घटना जो सामान्य एक्सीडेंट बतायी जा रही थी उस पर जांच टीम को संदेह हुआ। मृतक के माता पिता ने बताया कि मुर्गे को काटे थे उसी का खून होगा। थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार को वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया जिनके मार्गदर्शन पर फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम एवं जनप्रतिनिधि व गांव के प्रमुख व्यक्तियों को मृतक के घर पर बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम द्वारा ब्लड के सैंपल कलेक्ट कर रासायनिक परीक्षण के लिए भेजा गया था। फॉरेंसिक रिपोर्ट में कलेक्ट किए गए रक्त को मानव रक्त बताया गया जिस पर पुलिस टीम को मृतक के घरवालों पर वारदात को अंजाम देने का संदेह हुआ। थाना प्रभारी लैलूंगा द्वारा एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन पर सभी संदेहियों को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ किया गया। मृतक के माता-पिता जो प्रारंभ से उनके छोटे बेटे टेकमणी की मृत्यु को एक्सीडेंट बता रहे थे , उनकी भूमिका संदेहास्द पाया गया, साथ ही गवाहों से मिली और उसके बयान में भिन्नता थी। लैलूंगा पुलिस ने मृतक के माता-पिता को हिरासत में लेकर पीएम रिपोर्ट और फॉरेंसिक रिपोर्ट का हवाला देकर हिकमत अमली से पूछताछ करने पर दोनों हत्या की घटना स्वीकार कर बताए कि-घटना दिनांक 5 अप्रैल को टेकमणी हास्टल से घर आया था जो घर की मोटरसाइकिल को चलाने ले गया और काफी देर बाद घर लौटा जिसे उसकी मां आरोपिया करमवती पैंकरा ने पढ़ाई लिखाई करते नहीं हो केवल घूमा करते हो कहकर डांट डपट की, जिस पर टेकमणी अपनी मां से झगड़ा विवाद करने लगा। वहां मौजूद टेकमणी के पिता कुहरू सिंगार ने भी बेटा को उसकी मां से झगड़ा विवाद करने पर डांटा तो दोनों पिता-पुत्र में विवाद हुआ। इसी बीच कुहरू सिंगार डंडा उठाकर उसके बेटे टेकमणी को मारपीट किया जिसके सिर में आई चोट से टेकमणी वहीं गिरकर फौत हो गया जिसके बाद दोनों पति-पत्नी शव को बोरे में भरकर घर के पीछे कोलाबारी होते हुए मोटरसाइकिल में शव को लादकर लोहडापानी लकरा टोंगरी रोड मोड के पास फेंक आए थे जिससे घटना, रोड एक्सीडेंट लगे। घटना के बाद दोनों ने लकड़ी के डंडा और बोरा को आग में जलाकर राख भी नष्ट कर दिए तथा जमीन में गिरे खून के छिंटों को छुपाने के लिए लीपा पोती के साथ जमीन की हल्की खुदाई (छिलाई) कर दिये। घटना में आरोपियों के विरुद्ध पाए गए साक्ष्य के आधार पर आरोपी – (1) कुहरू सिंगार पिता मसदी सिंगार उम्र 45 साल, (2) करमवती पैंकरा पति कुहरू सिंगार उम्र 40 साल दोनों निवासी ग्राम लोहडापानी लैलूंगा रायगढ़ छत्तीसगढ़ को हत्या और साक्ष्य छिपाने के अपराध (धारा 302,201,34 IPC) में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

347 पदों के लिए 18 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

दुर्ग (आरएनएस)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र दुर्ग द्वारा निजी नियजकों द्वारा उपलब्ध रिक्त पदों को भरने के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 18 मई 2023 को किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में नियोजक शक्ति एंटरप्राइज ट्रांसपोर्ट नगर दुर्ग, ए.सी.एम.डब्लू. ऑटोमेशन प्रा.लि., टेक्नोटॉस्क बिजियस सोल्यून प्रा.लि., प्रकाश ज्वेलर्स शनिचरी बाजार दुर्ग, एन.आई. आई.टी. लिमिटेड के लिए विभिन्न पद रिक्त हैं। यह प्लेसमेंट इंजीनियरिंग क्षेत्र के छात्रों के लिए एक सुनहरा मौका है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उपसंचालक आर.के.कुर्रे के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, राशन कार्ड) रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र दुर्ग में उपस्थित हो सकते है।

तेन्दूपत्ता संग्रहण : वनांचल में बिखेरी हरा सोना की चमक

- अब तक लक्ष्य के आधा से अधिक तेंदूपत्ता का संग्रहण
- 16.72 लाख मानक बोरा के लक्ष्य के विरुद्ध 8.82 लाख मानक बोरा संग्रहित

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में तेन्दूपत्ता का संग्रहण जोरों पर है। तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2023 के दौरान अब तक 8 लाख 82 हजार 517 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है, जो लक्ष्य के आधा से अधिक अर्थात् 52.78 प्रतिशत है। इस तरह वनांचल में हरा सोना अर्थात् तेंदूपत्ता ने अपनी चमक बिखेरने लगी है। ज्ञातव्य है कि राज्य में चालू वर्ष के दौरान 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता के संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में वनांचल के आदिवासी-वनवासियों द्वारा तेंदूपत्ता का संग्रहण कार्य तेजी से जारी है।

प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री अनिल राय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक संग्रहित मात्रा में से वनमण्डल बीजापुर में 49 हजार 179 मानक बोरा तथा सुकमा में 945 हजार 555 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण शामिल है। इसी तरह वनमण्डल दंतेवाड़ा में 15 हजार 630 मानक बोरा, जगदलपुर में 19 हजार 446 मानक बोरा, दक्षिण कोण्डागांव में 18 हजार 286 मानक बोरा तथा केशकाल में 24 हजार 697 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल नारायणपुर में 17 हजार 917 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 51 हजार 396 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 19 हजार 37 मानक बोरा, तथा कांकेर में 31 हजार 865 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। इसी तरह वनमण्डल राजनांदगांव में 43 हजार 405 मानक बोरा, खैरागढ़ में 19 हजार 686 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। बालोद में 17 हजार 356 मानक बोरा, कवर्धा में 23 हजार 126 मानक बोरा, वनमण्डल धमतरी में 20 हजार 492 मानक बोरा, गरियाबंद में 76 हजार 618 मानक बोरा, महासमुंद 63 हजार 832 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार 13 हजार 917 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। वनमण्डल बिलासपुर में 15 हजार 60 मानक बोरा, मरवाही 5 हजार 616 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 5 हजार 825 मानक बोरा, रायगढ़ में 42 हजार 670 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 62 हजार 959 मानक बोरा, कोरबा में 34 हजार 976 मानक बोरा तथा कटघोरा में 33 हजार 746 मानक बोरा का संग्रहण हुआ है।

छत्तीसगढ़ में पहली बार 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' का आयोजन

- 1 से 3 जून तक रायगढ़ के राम-लीला मैदान में आयोजित होगी रामायण प्रतियोगिता
- देश के विभिन्न राज्यों और विदेशी कलाकार भी होंगे शामिल
- अरण्यकांड पर केंद्रित प्रसंगों की होगी विशेष प्रस्तुति
- केलो आरती और सामूहिक हनुमान चालीसा का होगा पाठ

रायगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव की तर्ज पर रायगढ़ में आगामी माह के 1 जून से 3 जून तक तीन दिवसीय भव्य राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। संस्कृति विभाग द्वारा इस आयोजन का जोर-शोर से तैयारियां की जा रही है। आदिवासी नृत्य महोत्सव की तरह ही देश के विभिन्न राज्यों सहित विदेशी कलाकारों को आमंत्रित किया जा रहा है। जल्द ही छत्तीसगढ़ की धरा पर देश-विदेश के कलाकारों द्वारा रामायण की अनूठी प्रस्तुति देखने को मिलेगी।

छत्तीसगढ़ से भगवान राम का गहरा रिश्ता है। मान्यता है कि वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम दंडकारण्य से होकर गुजरे थे और छत्तीसगढ़ के वनों का हिस्सा ही दंडक अरण्य का भाग था इस बात को दृष्टिगत रखते हुए आयोजन में अरण्य कांड के प्रसंगों पर विशेष प्रस्तुतियाँ होंगी। संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रामायण महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले मानस मंडली के कलाकार दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक और विदेशों से आने वाले मानस मंडली के द्वारा रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रस्तुति दी जाएगी। इस भव्य आयोजन में अरण्यकांड पर केंद्रित प्रसंगों पर विभिन्न राज्यों से आए मानस दलों के साथ ही विदेशी दलों के द्वारा रामायण की प्रस्तुति की जाएगी। राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में सामूहिक हनुमान चालीसा एवं भव्य केलो आरती का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें हजारों की संख्या में दीपदान किया जाएगा।

संस्कृति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पहली बार संस्कृति विभाग द्वारा राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का भव्य आयोजन रायगढ़ के राम लीला मैदान में किया जाएगा। इस महोत्सव में शामिल होने वाली मानस मंडलियों के पुरस्कृत किया जाएगा। जिसमें प्रथम पुरस्कार 5 लाख रूपए, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख रूपए और तृतीय पुरस्कार की राशि 2 लाख रूपए तय की गई है। राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन से प्रदेश की संस्कृति को संजोने की दिशा में एक अनोखी पहल होगी।

उल्लेखनीय है कि रामायण की कथा अनेक भाषाओं में लिखी गई है और अनेक देशों में इनका मंचन होता है। इनकी सुंदर प्रस्तुति का मंच रायगढ़ में रामलीला मैदान बनेगा। हमारे देश में रामलीला की अनवरत परंपरा रही है। जब रामकथा को महोत्सव के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा, तो बड़ी संख्या में लोग राम कथा के माध्यम से उनके आदर्शों की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़ में तुलसीदास जी का रामचरित मानस जन-जन में व्याप्त है। अब रामायण महोत्सव के माध्यम से वाल्मीकि से लेकर भवभूति तक भगवान राम के आदर्शों की झलक देखने का अवसर दर्शकों को मिल सकेगा। रामायण का विस्तार कम्बन के तमिल रामायण से लेकर कृतिवास के बंगला रामायण तक है। इसके साथ ही दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में भी इसके कई रूप प्रचलित है। रामायण महोत्सव के माध्यम से श्रीराम के चरित्र के इन सुंदर रूपों की झलक दर्शकों को मिल सकेगी।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480